वीर माधो सिंह भंडारी प्रौद्योगिकी विवि व आइआइटी रुड़की के बीच एमओयू के दौरान विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, आइआइटी रुड़की के निदेशक डा. केके पंत एवं अन्य अधिकारी • जागरण

छात्राओं ने सीखीं साइबर सिक्योरिटी की बारीकियां

देहरादून : डीडब्ल्यूटी कालेज की बीएड की छात्राओं ने साइबर सिक्योरिटी की बारीकियां सीखीं। साथ ही आनलाइन होने वाली धोखाधड़ी से बचने के उपायों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

गुरुवार को डीडब्ल्यूटी कालेज में महाविद्यालय के कौशल विकास प्रकोष्ठ की ओर से साइबर जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (सीसीपीएस) की एसआइ प्रतिभा व स्वाति गौतम ने छात्राओं को साइबर क्राइम की जानकारी दी। व्याख्यान में बढ़ते साइबर क्राइम और उससे बचने के उपायों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम समन्वयक डा. चेतना थापा ने कहा कि मौजूदा समय में साइबर क्राइम जैसे संवेदनशील विषय की विस्तृत जानकारी होना जरूरी है। इस मौके पर प्राध्यापिकाएं एवं बीएड की छात्राएं मौजूद रहीं।(जासं)

नवाचार में सहयोग करेंगे यूटीयू, आइआइटी रुड़की

- गुरुवार को यूटीयू और आइआइटी रुड़की के बीच हुआ एमओयू
- यूटीयू के कुलपति एवं आइआइटी के निदेशक डा. केके पंत रहे मौजूद

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी रुड़की) के बीच एक एमओयू हुआ है। एमओयू के तहत आने वाले समय में उत्तराखंड के विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों में नवाचार और उद्यमिता विकास में सहयोग करना है।

यह एमओयू गुरुवार को आइआइटी रूड़की के सभागार में यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह एवं आइआइटी रुड़की के निदेशक डा. केके पंत की उपस्थिति में हुआ। यूटीयू के कुलसचिव डा. सत्येंद्र सिंह एवं आइआइटी रुड़की के सीईओ आजम अली खान ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत दोनों उच्च शिक्षा संस्थान और टेक्नोलाजी इनक्यूबेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सोसायटी संयुक्त रूप से प्रौद्योगिकी उद्यमिता क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभकारी सह क्रियात्मक संबंध बनाने की दिशा में काम करेंगे।

टेक्नोलाजी इनक्यूबेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सोसायटी और यूटीयू नए सिरे से स्टार्टअप कार्यक्रमों के लिए संयुक्त पहल करेंगे, जो विशेष रूप से उत्तराखंड के स्थानीय क्षेत्रों में सतत विकास के लिए आर्थिक और उद्यमशीलता गतिविधि को सुधारने और बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।